MASTERMIND

मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के
पाठ्यक्रम पर आधारित

हिन्दी

व्याकरण व पाठ्यपुस्तक

लेखक
डा० मीरा कपूर

कक्षा
8

वैधानिक चेतावनी
इस पुस्तक के किसी भी अंश या भाग की पुन: प्रस्तुति या प्रतिलिपि किसी भी रूप में अन्यत्र नहीं की जा सकती है। प्रकाशक की लिखित पूर्व अनुमति के बिना किये गए ऐसे किसी भी कार्य के लिए संबंधित व्यक्ति वैधानिक कार्यवाही या वाद के भागीदार होंगे। सब तरह के वैधानिक विवादों का निपटारा मथुरा न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत होगा। पुस्तक को लिखते समय यद्यपि पूर्ण सावधानी रखी गयी है, फिर भी मुद्रण में किसी प्रकार की त्रुटि के लिए प्रकाशक व मुद्रक की जिम्मेदारी नहीं है।

हिन्दी-8 : उत्तर पुस्तिका

पाठ-1 वर दे

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)
2. 1. (ब), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्न

बहुविकल्पीय

1. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब)

अति लघु प्रश्न

1. सरस्वती देवी से   2. हृदय   3. भारत देश
4. 'नव' शब्द 6-7 बार आया है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अज्ञान और बुराइयों को दूर करने की बात।
2. ज्ञान और अच्छे विचार भरना चाहता है।
3. नई प्रगति और नई सोच का संकेत देता है।
4. उदाहरण: "नव", "मधुर", "उज्ज्वल"

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कवि राष्ट्र को ज्ञान, स्वतंत्रता और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाना चाहता है।
2. कविता का केंद्र भाव-ज्ञान, स्वतंत्रता, नवता और समाज का उत्थान।
3. कवि अज्ञान दूर कर ज्ञान और प्रकाश की शक्ति चाहता है।
4. 'नव' शब्द पुनरावृत्ति से उत्साह, नवीनता और प्रगति का भाव आता है।
5. भाषा सरल, मधुर, प्रेरणादायक और छंदयुक्त है।

पाठ-2 आत्मविश्वास

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

6. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (ब)

7. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

8. 1. (स), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

9. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

10. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (ब), 5. (ग)

एटग्रेड प्रश्न

बहुविकल्पीय

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब)

अति लघु प्रश्न

1. बाली के विषय में।
2. डरपोक और कमजोर बना देता है।
3. लेखक के अनुसार सफलता की कुंजी अविचल श्रद्धा (अटूट आत्मविश्वास) है।
4. 'विजय' का अर्थ है जीत/सफलता।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. इसका अर्थ है कि यदि हम सामने वाले को अधिक शक्तिशाली मान लेते हैं तो हमारी आधी शक्ति कम हो जाती है और उसकी बढ़ जाती है।
2. दुविधा मनुष्य की शक्ति को बाँट देती है, जिससे वह कमजोर हो जाता है।
3. डर और आत्मविश्वास की कमी व्यक्ति को गलत निर्णय लेने पर मजबूर कर देती है।
4. समास : बहुव्रीहि समास (जिसका उत्साह समाप्त हो गया हो)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आत्मविश्वास व्यक्ति को साहस, दृढ़ता और सही निर्णय लेने की शक्ति देता है। यह भय और संदेह को दूर करता है तथा व्यक्ति को अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में मदद करता है। आत्मविश्वासी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानता और सफलता प्राप्त करता है।
2. इस पंक्ति का अर्थ है कि जो व्यक्ति डरकर या घबराकर रुक जाता है, वह आगे नहीं बढ़ पाता। जीवन में सफलता उन्हीं को मिलती है जो साहस के साथ आगे बढ़ते हैं। इसलिए हमें आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और डरकर पीछे नहीं हटना चाहिए।

पाठ-3 मध्यप्रदेश की संगीत विरासत

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

2. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

3. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (द), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
7. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)
8. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स)

एटग्रेड प्रश्न

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (अ), 3. (द), 4. (ब)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. ऋषि, मुनि और साधकों की तपस्या का।
2. स्वामी हरिदास।
3. सात वर्ष की आयु में।
4. 1947 में।
5. जब वह जन-साधारण को प्रभावित करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. क्योंकि यहाँ संगीत की समृद्ध परंपरा रही है और अनेक महान संगीतकारों ने यहाँ साधना कर संगीत को विकसित किया है।
2. तानसेन ने दीपक राग गाया, जिससे दीपक स्वयं जल उठे। यह उनकी संगीत साधना की अद्‌भुत शक्ति को दर्शाता है।
3. उन्होंने लोकगीतों को नए आयाम दिए, नए रागों की रचना की और संगीत को जन-सामान्य तक पहुँचाया।
4. मध्यप्रदेश की संस्कृति और परंपराएँ संगीत से गहराई से जुड़ी हैं, इसलिए दोनों एक-दूसरे को पूर्ण करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. तानसेन महान संगीतकार थे, जिन्होंने अनेक राग-रागिनियों की रचना की। उन्होंने दीपक और मेघ मल्हार जैसे रागों की साधना से संगीत की शक्ति का परिचय दिया। वे अकबर के दरबार के नवरत्नों में थे और संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।
2. कुमार गंधर्व महान गायक थे, जिन्होंने कम उम्र में ही ख्याति प्राप्त की। उन्होंने लोकसंगीत को नया रूप दिया, नए रागों की रचना की और संगीत को जन-सामान्य तक पहुँचाया। उन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।
3. संगीत लोगों को जोड़ता है, भावनाओं को व्यक्त करता है और देशभक्ति की भावना जगाता है। 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसे गीत इसका उदाहरण हैं, जो लोगों में राष्ट्रप्रेम जगाते हैं।
4. लता मंगेशकर की आवाज मधुर और प्रभावशाली है, इसलिए उन्हें 'स्वर कोकिला' कहा जाता है। उन्होंने अनेक भाषाओं में गीत गाए और भारतीय संगीत को विश्वभर में प्रसिद्ध किया।

पाठ-4 अपराजिता

1. 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)
6. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
7. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
8. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)
9. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
10. 1. (स), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (ब)
11. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चंद्रा का निचला धड़ सुन्न और निर्जीव बताया गया है।
2. चंद्रा का शरीर बचपन में पोलियो रोग के कारण निर्जीव हो गया था।
3. चंद्रा ने माइक्रोबायोलॉजी विषय में डॉक्टरेट प्राप्त की।
4. चंद्रा की माँ का नाम शारदा सुब्रह्मण्यम है।
5. चंद्रा किसी भी कार्य के लिए दूसरों की सहायता लेना नहीं चाहती थी; वह स्वयं अपने काम करना चाहती थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चंद्रा ने अपनी विकलांगता के बावजूद धैर्य, साहस और परिश्रम से सफलता प्राप्त की, जबकि लखनऊ का युवक दुर्घटना के बाद मानसिक संतुलन खो बैठा और निराश हो गया।
2. उनकी माँ ने अत्यंत धैर्य, त्याग और समर्पण के साथ उनका साथ दिया, हर परिस्थिति में प्रेरित किया और उन्हें आगे बढ़ने का साहस दिया।
3. अदम्य साहस, आत्मविश्वास, परिश्रम, सकारात्मक सोच और जिजीविषा–इन गुणों ने लेखिका को सबसे अधिक प्रभावित किया।
4. ''चिकित्सा ने जो खोया, वह विज्ञान ने पाया'' का अर्थ है कि भले ही चंद्रा डॉक्टर नहीं बन सकीं, पर उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

5. 'निर्जीव' का अर्थ है– जिसमें जीवन या चेतना न हो, अर्थात सुन्न/निष्क्रिय।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. चंद्रा ने अपनी शारीरिक अक्षमता को बाधा नहीं बनने दिया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता प्राप्त की। इससे सिद्ध होता है कि इच्छाशक्ति से हर बाधा पर विजय पाई जा सकती है।
2. क्योंकि उन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपनी पुत्री का पालन–पोषण किया, उसका मनोबल बढ़ाया और उसे सफल बनाया। उनका साहस, त्याग और धैर्य उन्हें 'वीर जननी' बनाता है।
3. बचपन में पोलियो से ग्रस्त होकर उनका निचला शरीर निष्क्रिय हो गया। अनेक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शिक्षा प्राप्त की, आत्मनिर्भर बनीं और अंततः माइक्रोबायोलॉजी में डॉक्टरेट हासिल कर सफलता पाई।
4. कठिनाइयों में धैर्य रखना।

   आत्मविश्वास और परिश्रम का महत्व।

   सकारात्मक सोच।

   हार न मानने की प्रेरणा।

   माता–पिता के त्याग का सम्मान।
5. ''जीवन की रिक्तता छोटी लगने लगती है''– यहाँ जीवन की तुलना रिक्तता से की गई है।

   ''विपत्ति का आकाश सिर पर टूट पड़ा''– कठिनाई को आकाश टूटने जैसा बताया गया है।

पाठ 5 : श्री मुफ्तानंद जी से मिलिए

1. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
5. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (स)
7. 1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (द), 5. (स)
8. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
9. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
10. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक स्वयं।
2. जैसा नाम वैसा स्वभाव।
3. मुफ्त की चीज हमेशा लाभ देती है।
4. दस संतान।
5. मुफ्त में इलाज।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मुफ्तानंद जी को पान खाने का बहुत शौक था, लेकिन वे कभी अपने पैसे से पान नहीं खरीदते थे। वे दूसरों से या जान-पहचान वालों की जेब से पान खाने का शौक पूरा करते थे।
2. क्योंकि वे अखबार पढ़ने को ज्ञानवर्धक मानते हैं, लेकिन पैसे खर्च करना पाप समझते हैं। इसलिए वे खुद खरीदने के बजाय दूसरों के अखबार पढ़ते हैं। यही व्यवहार व्यंग्य पैदा करता है।
3. इस घटना से उनके मुफ्तखोर, लालची और अवसरवादी स्वभाव का पता चलता है। वे मुफ्त में मिलने वाली चीज के लिए दौड़ पड़ते हैं।
4. लेखक को मुफ्तानंद जी के साथ देर रात तक जागना पड़ा और असुविधा सहनी पड़ी, क्योंकि वे मुफ्त में सिनेमा देखने के लिए पूरी फिल्म खत्म होने तक बैठे रहे।
5. 'मुफ्त' शब्द विशेषण है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. मुफ्तानंद जी अत्यंत मुफ्तखोर, चालाक और अवसरवादी व्यक्ति हैं। वे हर चीज मुफ्त में पाने की कोशिश करते हैं। पान, अखबार, दवाइयाँ, किताबें–सब कुछ बिना पैसे खर्च किए प्राप्त करना चाहते हैं। वे दूसरों की मदद का गलत फायदा उठाते हैं और अपने स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनका चरित्र समाज की उस प्रवृत्ति को दर्शाता है जिसमें लोग बिना मेहनत किए लाभ उठाना चाहते हैं।
2. लेखक ने समाज में बढ़ती मुफ्तखोरी, आलस्य और स्वार्थ की प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है। लोग बिना मेहनत किए लाभ उठाना चाहते हैं और दूसरों का फायदा उठाते हैं।
3. मुफ्तानंद जी कभी दवा पर पैसा खर्च नहीं करते। वे डॉक्टरों से दोस्ती रखते हैं ताकि मुफ्त इलाज मिल सके। लेखक ने इन प्रसंगों के माध्यम से हास्य और व्यंग्य शैली में यह दिखाया है कि कैसे लोग मुफ्त पाने के लिए हर तरीका अपनाते हैं।
4. मुफ्तानंद जी हर चीज मुफ्त में पाने की कोशिश करते हैं–पान, अखबार, दवाइयाँ, किताबें आदि। वे किसी भी अवसर को नहीं छोड़ते। इससे यह लोकोक्ति पूरी तरह सिद्ध होती है।
5. मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन–मुफ्त चीज का भरपूर उपयोग करना : उसे मुफ्त किताब मिली तो उसने खूब पढ़ाई की।

यथा नाम तथा गुण–जैसा नाम वैसा स्वभाव : उसका नाम शेर है और वह सच में बहुत साहसी है।

पाठ 6 : भक्ति के पद

1. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (स), 3. (द), 4. (ब), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सुरदास ने मन की तुलना पक्षी (पंछी) से की है।
2. तुलसीदास प्रभु को पतितपावन नाम से पुकारते हैं।
3. रैदास के अनुसार प्रभु और भक्त का संबंध स्वामी और दास का है।
4. मीराबाई को 'राम-रतन' सतगुरु द्वारा प्राप्त हुआ।
5. 'भव-सागर' से पार सतगुरु कराते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सुरदास ने मन को पक्षी और जहाज के उदाहरण से समझाया है। जैसे पक्षी उड़कर अंत में जहाज पर लौट आता है, वैसे ही मन भटककर अंतत: भगवान के पास लौटता है।
2. तुलसीदास विनम्र भाव से प्रभु से प्रश्न करते हैं और स्वयं को दीन मानकर प्रभु की शरण में जाते हैं। वे पूर्ण समर्पण और दीनता दिखाते हैं।
3. रैदास ने प्रभु और भक्त को चंदन-पानी, दीपक-बाती आदि के रूप में दिखाया है, जिससे दोनों के बीच गहरा संबंध और एकरूपता प्रकट होती है।
4. सांसारिक धन नष्ट हो जाता है या चोरी हो सकता है, जबकि राम-रतन अमूल्य है, न खर्च होता है और न ही चोरी होता है, बल्कि बढ़ता है।
5. पतित + पावन = पतितों को पावन करने वाला (कर्मधारय/बहुव्रीहि भाव में प्रयुक्त)।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. चारों कवियों के पदों में भक्ति, समर्पण, विनय, प्रेम और ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा दिखाई देती है। सभी कवि मानते हैं कि सच्चा सुख ईश्वर में ही है और संसारिक वस्तुएँ क्षणभंगुर हैं।
2. समानता: दोनों ही ईश्वर को सर्वोच्च मानते हैं और उनकी शरण में जाने की बात करते हैं।

भिन्नता: सुरदास प्रेम और भावुकता पर अधिक जोर देते हैं, जबकि तुलसीदास विनय और दीनता पर अधिक बल देते हैं।

3. उपमा अलंकार →''चंदन-पानी'', ''दीपक-बाती''

→इसमें दो वस्तुओं की तुलना की गई है।

रूपक अलंकार →''प्रभु ही धन हैं''

→इसमें उपमेय और उपमान को एक ही मान लिया गया है।

पाठ 7 : भेड़ाघाट

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)
4. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
6. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
7. 1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (ब), 5. (द)
8. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (स)
9. 1. (द), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
10. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
11. 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भेड़ाघाट जबलपुर से लगभग 13 मील की दूरी पर स्थित है।
2. नर्मदा का उद्‌गम स्थल अमरकंटक है।
3. भेड़ाघाट में संगमरमर की चट्‌टानों को तपस्वी माना जाता है।
4. 'दूधधारा' झरने (प्रपात) का नाम है।
5. गौरीशंकर मंदिर भेड़ाघाट (जबलपुर) में स्थित है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक को नर्मदा अन्य नदियों से अधिक प्रिय इसलिए लगती है क्योंकि वह उसके किनारों पर पला-बढ़ा है और उससे भावनात्मक लगाव रखता है।

2. संगमरमर की चट्टानों को तपस्वी इसलिए कहा गया है क्योंकि वे कठोर परिस्थितियों (सर्दी, गर्मी, वर्षा) को सहते हुए भी अडिग रहती हैं।
3. लेखक ने हिमालय की बर्फ और नर्मदा की तुलना इसलिए की क्योंकि दोनों में पवित्रता, सुंदरता और शुद्धता का गुण समान है।
4. दिन में दूधधारा की ध्वनि स्पष्ट नहीं सुनाई देती, जबकि रात में शांति के कारण उसकी ध्वनि साफ सुनाई देती है।
5. लेखक के अनुसार भेड़ाघाट तक कच्ची सड़क भी आनंददायक होती क्योंकि प्राकृतिक सौंदर्य यात्रा को सुखद बना देता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक ने भेड़ाघाट के प्राकृतिक सौंदर्य का सजीव चित्रण किया है। उसने नर्मदा की धारा, संगमरमर की चट्टानों, जलप्रपात और आसपास के वातावरण को इस प्रकार वर्णित किया है कि पाठक स्वयं उस स्थान का अनुभव करने लगता है।
2. नर्मदा को 'चाँदी के कारागार की बन्दिनी' इसलिए कहा गया है क्योंकि वह संगमरमर की सफेद चट्टानों के बीच बहती है, जो चाँदी की दीवारों जैसी प्रतीत होती हैं।
3. लेखक की दृष्टि में भेड़ाघाट का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है क्योंकि यहाँ मंदिर, साधना-स्थल और प्राकृतिक पवित्रता का अद्भुत संगम है।
4. 'दूधधारा' नाम से लेखक की जीवन-दृष्टि यह प्रकट होती है कि संघर्ष और घर्षण से जीवन में पवित्रता और उज्ज्वलता आती है।
5. लेखक ने इतिहास और प्रकृति का समन्वय इस प्रकार किया है कि उसने प्राचीन मंदिरों, राजाओं और ऐतिहासिक घटनाओं को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया है।

पाठ 8 : गणितज्ञ ज्योतिषी आर्यभट

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)
2. 1. (द), 2. (स), 3. (द), 4. (अ), 5. (द)
3. 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (अ)
4. 1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)
5. 1. (ब), 2. (अ), 3. (स), 4. (द), 5. (ब)
6. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)
7. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (अ), 5. (अ)
8. 1. (ब), 2. (ब), 3. (ब), 4. (द), 5. (अ)
9. 1. (द), 2. (स), 3. (द), 4. (स), 5. (ब)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (द), 2. (ब), 3. (ब), 4. (ब), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्राचीनकाल में सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण के लिए राहु नामक राक्षस को उत्तरदायी माना जाता था।
2. वाक्य के घटक।
3. चंदग्रहण।
4. पृथ्वी के घूमने के कारण।
5. भट् = विद्वान या ज्योतिषी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आर्यभट्टीय ग्रंथ की जानकारी डॉ. भाऊ दाजी द्वारा उसकी ताड़पत्र पांडुलिपियाँ खोजने से मिली।
2. सन् 1864 में ताड़पत्र पांडुलिपियों की खोज के बाद आर्यभट् का सही परिचय लोगों को मिला।
3. उन्होंने इस मान्यता का खंडन किया कि पृथ्वी स्थिर है और ग्रहण राहु–केतु के कारण होते हैं।
4. प्राचीन भारत ने गणित और ज्योतिष में शून्य, दशमलव पद्धति और खगोलीय ज्ञान जैसी महत्वपूर्ण देन दी।
5. डॉ. भाऊ दाजी ने।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आर्यभट ने गणित और ज्योतिष में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने शून्य और दशमलव प्रणाली का विकास किया, ग्रहणों की वैज्ञानिक व्याख्या की और बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है।
2. कृत्रिम उपग्रह मौसम की जानकारी, संचार, प्रसारण, नेविगेशन और वैज्ञानिक अनुसंधान में बहुत उपयोगी होते हैं। ये पृथ्वी की निगरानी और आपदा प्रबंधन में भी सहायक हैं।
3. प्राचीन भारत ने गणित, ज्योतिष और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जैसे शून्य की खोज, दशमलव पद्धति और खगोलीय गणना।
4. आर्यभट ने उदाहरण देकर समझाया कि जैसे नाव में बैठे व्यक्ति को किनारे की वस्तुएँ चलती हुई लगती हैं, वैसे ही पृथ्वी के घूमने से आकाश के तारे चलते हुए दिखाई देते हैं।

पाठ 9 : बिरसा मुण्डा

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
5. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)
7. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)

8. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

9. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

10. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सिंगबोंगा (सूर्य) और बोंगा।
2. अंग्रेजों की आलोचना करने के कारण।
3. जड़ी-बूटियों से।
4. बिरसा ने मुंडाओं को जमींदारों, ठेकेदारों और अंग्रेजों की बेगार न करने का संदेश दिया।
5. बिरसा को मुंडा समाज में लोक देवता (अवतारी पुरुष) के रूप में पूजा जाने लगा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उनका बचपन साधारण था। वे माता-पिता की सहायता करते, खेती-बाड़ी और पशु चराते थे।
2. अंग्रेजों के शासन में उनकी स्थिति बहुत दयनीय हो गई थी।
3. क्योंकि वे रोगियों का इलाज करते और लोगों को उपदेश देते थे।
4. गाँव आंदोलन के केंद्र बने और लोग संगठित होकर इसमें शामिल हुए।
5. अंग्रेजों ने छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. मिशन स्कूल में पढ़ाई से बिरसा को अंग्रेजों के अत्याचार और शोषण का ज्ञान हुआ। उनमें जागरूकता और विद्रोह की भावना पैदा हुई।
2. पहले मुंडा समाज में पंचायत और स्वशासन था, पर अंग्रेजों ने जमींदारी और ठेकेदारी लागू कर शोषण बढ़ा दिया।
3. क्योंकि यह अंग्रेजों के अत्याचार के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए किया गया संघर्ष था।
4. अंग्रेजों ने गिरफ्तारी, जेल, गोलीबारी और इनाम घोषित करके आंदोलन को दबाने का प्रयास किया।
5. उन्होंने आदिवासियों में जागरूकता फैलाई, स्वतंत्रता की भावना जगाई और वे एक महान लोकनायक बने।

पाठ 10 : प्राण जाए पर वृक्ष न जाए

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

2. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

3. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (ब)

4. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

5. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

6. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विश्नोई समाज के संस्थापक भगवान जम्भेश्वर थे।
2. विश्नोई समाज का मुख्य नियम वृक्षों और जीवों की रक्षा करना था।
3. खेजड़ली गाँव राजस्थान राज्य में स्थित है।
4. अमृता देवी वृक्षों की रक्षा के लिए शहीद हुई।
5. विश्नोई समाज हिरणों (वन्य जीवों) की विशेष रूप से रक्षा करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भगवान जम्भेश्वर की पर्यावरण संबंधी प्रेरणा आज इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि आज प्रदूषण और पर्यावरण की समस्या बढ़ गई है।
2. खेजड़ली की घटना में अमृता देवी ने पेड़ों से लिपटकर अपने प्राण देकर उनकी रक्षा की।
3. राजा अभयसिंह ने घटना के बाद पेड़ काटने पर रोक लगा दी और माफी माँगी।
4. विश्नोई समाज के लोग हिरणों की रक्षा अपने परिवार की तरह करते हैं।
5. वृक्ष रक्षा और जीव-रक्षा को सच्ची श्रद्धांजलि इसलिए कहा गया क्योंकि इसी से शहीदों के बलिदान का सम्मान होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. खेजड़ली आंदोलन में विश्नोई समाज के लोगों ने पेड़ों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। अमृता देवी और 362 लोगों ने बलिदान दिया। यह आंदोलन पर्यावरण संरक्षण का महान उदाहरण है और आज भी हमें प्रकृति बचाने की प्रेरणा देता है।
2. विश्नोई समाज के 29 नियम हैं जिनमें प्रमुख हैं–

   वृक्षों की रक्षा

   जीवों पर दया

   प्रकृति का संरक्षण

   सादा जीवन और स्वच्छता
3. इनके बलिदान से हमें प्रकृति की रक्षा, साहस, त्याग और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है।

पाठ 11 : गिरधर की कुण्डलियाँ

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वास्तविक संपत्ति सद्‌गुण, विनय और मधुर वाणी है।
2. धन की तुलना चंचल जल से की गई है।
3. कोयल इसलिए प्रिय लगती है क्योंकि उसकी वाणी मधुर होती है।
4. कवि बीती हुई बातों को भूल जाने को कहते हैं।
5. बिना गुणों के व्यक्ति को सम्मान नहीं मिलता।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. क्योंकि धन अस्थायी है, इसलिए उस पर घमंड नहीं करना चाहिए।
2. इससे यह शिक्षा मिलती है कि रूप नहीं, बल्कि गुण और वाणी महत्वपूर्ण होते हैं।
3. सम्मान पाने का सही मार्ग मधुर वाणी, विनय और अच्छे व्यवहार हैं।
4. कवि के अनुसार बीती बातों को भूलकर भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।
5. जब मन में कोई दोष नहीं होता, तब दुर्जनों को हँसने का अवसर नहीं मिलता।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कवि के अनुसार धन चंचल जल की तरह अस्थायी है। यह स्थायी नहीं रहता, इसलिए मनुष्य को धन पर घमंड नहीं करना चाहिए और सद्‌गुणों को अपनाना चाहिए।
2. कवि ने कोयल और कौए का उदाहरण देकर बताया कि दोनों का रंग एक जैसा है, लेकिन कोयल अपनी मधुर वाणी के कारण प्रिय होती है। इससे सिद्ध होता है कि गुण ही व्यक्ति को सम्मान दिलाते हैं।
3. मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार से ही मनुष्य दूसरों का दिल जीतता है और समाज में सम्मान पाता है। यही जीवन को सफल बनाते हैं।

पाठ 12 : याचक और दाता

1. 1. (ब), 2. (अ), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

2. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

3. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

4. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)

5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

6. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

7. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

8. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

9. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)

10. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

11. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

12. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (द)

13. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (द), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्धा मंदिर के बाहर लोगों को फूल चढ़ाने के लिए पुकारती थी।
2. बालक का नाम मोहन था।
3. मोहन सात वर्ष पहले मेले में खो गया था।
4. वृद्धा अपनी छोटी झोपड़ी में रहती थी।
5. सेठ जी दानशील और धर्मात्मा होने के लिए प्रसिद्ध थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्धा बालक से इसलिए प्रेम करती थी क्योंकि वह उसे अपना पुत्र मानती थी और उसमें मातृत्व की भावना थी।
2. जब सेठ को पता चला कि बालक उसका खोया हुआ बेटा है, तब उसके व्यवहार में परिवर्तन आया।
3. वृद्धा ने अपना धन सुरक्षित रखने और बच्चे के भविष्य के लिए सेठ के पास जमा कराया।
4. मोहन की बीमारी ने कहानी में मोड़ इसलिए लाया क्योंकि इसी कारण सच्चाई सामने आई और सेठ का हृदय परिवर्तन हुआ।
5. पुजारी वृद्धा की सहायता फूल देने और उसे सहारा देने में करता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्धा दयालु, ममतामयी, परिश्रमी और त्यागमयी थी। वह दूसरों की सहायता करती थी और बालक का पालन-पोषण अपने बच्चे की तरह करती थी। उसने अपने सुख का त्याग करके बच्चे का भविष्य सँवारा।

2. शुरुआत में सेठ कठोर और स्वार्थी था। उसने वृद्धा की सहायता नहीं की। लेकिन जब उसे पता चला कि बालक उसका ही बेटा है, तो उसका हृदय बदल गया और वह दयालु और सहृदय बन गया।

3. कहानी सिखाती है कि ममता, करुणा और मानवता सबसे बड़ी चीजें हैं। निस्वार्थ प्रेम और सेवा का महत्व धन से अधिक है।

4. वृद्धा दयालु, त्यागमयी और ममतामयी थी, जबकि सेठ प्रारंभ में स्वार्थी था। अंत में वृद्धा महान सिद्ध होती है और सेठ को अपनी गलती का एहसास होता है।

5. यह कहानी एक वृद्धा और सेठ की है, जहाँ अंत में भूमिकाएँ बदल जाती हैं–सेठ याचक बन जाता है और वृद्धा दाता। इसलिए ''याचक और दाता'' शीर्षक पूरी तरह सार्थक है।

पाठ 13 : न यह समझो कि हिन्दुस्तान की तलवार सोई है?

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

2. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

3. 1. (ब), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)

4. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'तेग' शब्द का अर्थ तलवार है।
2. हर्ष और विक्रम भारतीय वीरता और गौरव के प्रतीक हैं।
3. चित्तौड़ में सम्मान की रक्षा के लिए जौहर किया गया था।
4. कवि 'लोलुप नजर' लालची और आक्रमणकारी शक्तियों को कहता है।
5. 'माटी' शब्द मातृभूमि (देश) का प्रतीक है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि बताना चाहता है कि भारत शांति और अहिंसा का समर्थक है, लेकिन अपनी वीरता और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहता है।
2. 'धमनी में लहू की धार' का भाव है कि भारतीयों में आज भी वीरता, साहस और बलिदान की भावना प्रवाहित हो रही है।
3. शिवाजी और चित्तौड़ का उल्लेख इसलिए किया गया है ताकि भारत की वीरता, त्याग और गौरवपूर्ण इतिहास को दर्शाया जा सके।
4. जब किसी पर अत्याचार या अपमान होता है, तब भारत चुप नहीं रह सकता।

5. कविता में संघर्ष की स्थिति को इस प्रकार बताया गया है कि यदि देश पर बुरी नजर डाली जाएगी तो भारत जोरदार प्रतिकार करेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कविता का मुख्य भाव यह है कि भारत शांति प्रिय देश है, परंतु वह कमजोर नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर वह अपनी वीरता और शक्ति का परिचय देकर शत्रुओं का सामना करता है।
2. कवि ने बताया है कि भारत एक ओर शांति और अहिंसा का संदेश देता है, वहीं दूसरी ओर अपनी स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा के लिए वीरता भी दिखाता है।
3. कवि ने हर्ष, विक्रम, शिवाजी और चित्तौड़ जैसे उदाहरण देकर यह सिद्ध किया है कि भारत की वीरता और बलिदान की परंपरा बहुत पुरानी और गौरवशाली है।
4. इसका अर्थ है कि भारतीय अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर देंगे, लेकिन अपनी मातृभूमि को किसी भी हालत में नहीं छोड़ेंगे।

पाठ 14 : नवसंवत्सर

1. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)
3. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब)
5. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
7. 1. (अ), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
8. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
9. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (द), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विक्रम संवत का प्रथम दिन चौत्र शुक्ल प्रतिपदा है।
2. 'गुड़ी' शब्द का अर्थ ध्वज (झंडा) है।
3. चंद्रमास में दो पक्ष होते हैं।

4. शुक्ल पक्ष के बाद कृष्ण पक्ष आता है।

5. भगवान झूलेलाल की जयंती चौती चांद के नाम से मनाई जाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. गुड़ी पड़वा नववर्ष के आरंभ और शुभता के प्रतीक के रूप में मनाई जाती है।
2. विक्रम संवत भारतीय परंपरा पर आधारित है, जबकि ईसवी संवत पश्चिमी कैलेंडर पर आधारित है
3. शुक्ल पक्ष में चंद्रमा बढ़ता है (अमावस्या से पूर्णिमा तक) और कृष्ण पक्ष में घटता है (पूर्णिमा से अमावस्या तक)।
4. पंचांग से तिथि, पक्ष, मास, नक्षत्र, चंद्रमा और सूर्य की स्थिति आदि की जानकारी मिलती है।
5. नवरात्रि का भारतीय जीवन में धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है– यह शक्ति पूजा और नए आरंभ का प्रतीक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. गुड़ी पड़वा भारतीय नववर्ष का आरंभ है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग घरों को सजाते हैं, गुड़ी स्थापित करते हैं और नए कार्यों की शुरुआत करते हैं।
2. विक्रम संवत भारत की प्राचीन कालगणना पद्धति है। इसका आरंभ विक्रमादित्य ने किया। इसमें महीनों, तिथियों और संवत्सरों का क्रम होता है और यह भारतीय संस्कृति से जुड़ा है।
3. सौर वर्ष सूर्य की गति पर आधारित होता है (लगभग 365 दिन), जबकि चंद्र वर्ष चंद्रमा की गति पर आधारित होता है (लगभग 354 दिन)। अंतर को संतुलित करने के लिए अधिक मास जोड़ा जाता है।
4. नवरात्रि शक्ति पूजा का पर्व है, रामनवमी भगवान राम के जन्म का दिन है और दशहरा रावण पर विजय का प्रतीक है। ये सभी पर्व अच्छाई की विजय और धर्म की स्थापना को दर्शाते हैं।
5. भगवान झूलेलाल साम्प्रदायिक सद्भाव और एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने लोगों को प्रेम, भाईचारे और शांति का संदेश दिया।

पाठ 15 : महेश्वर

1. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (ब)
3. 1. (ब), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
5. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)
6. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महेश्वर मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में स्थित है।
2. सहस्रार्जुन का अंत भगवान परशुराम ने किया था।
3. महारानी अहिल्याबाई को लोकमाता कहा जाता है।
4. महेश्वर इंदौर से लगभग 105 किलोमीटर दूर है।
5. 'अखंड दीप' का अर्थ है लगातार जलने वाला दीप।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महेश्वर को पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण इसलिए माना जाता है क्योंकि यहाँ खुदाई में प्राचीन सभ्यताओं के अवशेष और वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं।
2. पौराणिक कथाओं में महेश्वर का महत्व यह है कि इसका प्राचीन नाम माहिष्मती था और यह है यह साम्राज्य की राजधाानी रहा।
3. महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल में महेश्वर का अत्यधिक विकास हुआ। उन्होंने किले, मंदिर, घाट आदि बनवाए और इसे प्रसिद्ध बनाया।
4. प्रागैतिहासिक काल में लोग झोपड़ियों और पेड़ों पर बने घरों में रहते थे तथा मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे।
5. ईसवी सन् 100-500 के काल में महेश्वर में अलंकृत भवनों का निर्माण हुआ और यह विकास की चरमसीमा पर था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. महेश्वर प्राचीन काल से महत्वपूर्ण नगर रहा है। पौराणिक काल में इसे माहिष्मती कहा जाता था। प्रागैतिहासिक काल में यहाँ लोग साधारण जीवन जीते थे। ईसवी सन् 100-500 में यहाँ अत्यधिक विकास हुआ। बाद में महारानी अहिल्याबाई ने इसे पुनः विकसित कर प्रसिद्ध बनाया।
2. उनके शासनकाल में महेश्वर में किले, मंदिर, घाट, धर्मशालाएँ आदि बनाए गए। नगर का सर्वांगीण विकास हुआ और यह धार्मिक व सांस्कृतिक केंद्र बन गया।
3. महेश्वर नर्मदा नदी के किनारे स्थित एक पवित्र स्थान है। यहाँ मंदिर, घाट, शिवलिंग और धार्मिक वातावरण है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी समृद्ध है।
4. यहाँ की खुदाई में प्राचीन सभ्यताओं के अवशेष, मिट्टी के बर्तन, सिक्के और पत्थर की वस्तुएँ मिली हैं, जिससे यह एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल सिद्ध होता है।

पाठ 16 : पथिक से

1. 1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
3. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)
4. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब), 5. (स)

5. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (द)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'पथिक' शब्द से कवि जीवन-यात्रा करने वाले व्यक्ति को संबोधित करता है।
2. 'मनमोहना' का अर्थ है आकर्षक/मोह लेने वाला।
3. 'उन्मन' का अर्थ है व्याकुल या विचलित मन।
4. 'रणभेरी' युद्ध के अवसर पर बजती है।
5. 'आहुति' का अर्थ है बलिदान देना।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. कवि जीवन-पथ की तुलना सामान्य यात्रा से इसलिए करता है क्योंकि दोनों में कठिनाइयाँ और आकर्षण आते हैं।
2. प्रथम किलता के समय कवि सलाह देता है कि निराश न होकर अपने कर्तव्य-पथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।
3. अपनों के विमुख होने पर भी पथिक को अपने लक्ष्य और कर्तव्य-पथ से नहीं भटकना चाहिए।
4. सैनिकों के विदाई-चित्र का महत्व यह है कि यह कर्तव्य, प्रेम और त्याग की भावना को दर्शाता है।
5. 'महाकाल की माला' का भावार्थ है कि शहीदों का बलिदान समय के साथ जुड़कर अमर हो जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. ''पथ भूल न जाना पथिक कहीं'' पंक्ति की प्रासंगिकता यह है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ, आकर्षण या दुख आएँ, व्यक्ति को अपने लक्ष्य और कर्तव्य-पथ से नहीं भटकना चाहिए।
2. कविता में जीवन की कठिन परिस्थितियाँ जैसे असफलता, निराशा, अकेलापन, अपनों का साथ छोड़ देना, युद्ध और बलिदान आदि का चित्रण किया गया है।
3. कवि ने कर्तव्य और प्रेम के द्वंद्व को सैनिकों के विदाई दृश्य के माध्यम से प्रस्तुत किया है, जहाँ भावनाएँ होने पर भी कर्तव्य को प्राथमिकता दी जाती है।
4. इस कविता से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है कि वे जीवन में आने वाली कठिनाइयों से घबराएँ नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें।

पाठ 17 : वसीयतनामे का रहस्य

1. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

3. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (द)

4. 1. (स), 2. (द), 3. (द), 4. (ब), 5. (ब)

5. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

6. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

7. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

8. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

9. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

10. 1. (स), 2. (स), 3. (ब), 4. (ब), 5. (स)

11. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

12. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (द)

13. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

14. 1. (स), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

15. 1. (स), 2. (ब), 3. (द), 4. (द), 5. (स)

16. 1. (द), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्ध किसान के चार बेटे थे।
2. वृद्ध किसान ने अपनी पुत्री का विवाह उस व्यक्ति से करने की बात लिखी थी जो निष्पक्ष न्याय करेगा।
3. महाराजा जंगल में बने शानदार महल में रहता था।
4. महाराजा की छोटी बहन ने उसे अंधा इसलिए कहा क्योंकि वह उसके विवाह के लिए योग्य वर नहीं खोज पा रहा था।
5. चौथे भाई को जेल इसलिए भेजा गया क्योंकि वह अपने भाइयों की हत्या करने के लिए तैयार हो गया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्ध किसान की वसीयत की विशेष बात यह थी कि संपत्ति तीन हिस्सों में बाँटी जानी थी और निष्पक्ष निर्णय करने वाले से पुत्री का विवाह करना था।
2. पंचायत ने भाइयों को महाराजा के पास जाने की सलाह इसलिए दी क्योंकि मामला बहुत जटिल था और वे स्वयं निर्णय नहीं कर पा रहे थे।
3. महाराजा को युवती अच्छी लगी क्योंकि वह अत्यंत सुंदर और गुणवान थी।

4. तीन भाइयों ने तलवार लेने के बाद अपने भाइयों की हत्या करने से इंकार कर दिया और अपना हिस्सा छोड़ने को तैयार हो गए।
5. कहानी में न्यायप्रियता महाराजा के निर्णय से दिखाई गई, जिसने सही व्यक्ति की पहचान करके न्याय किया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्ध किसान की वसीयत का रहस्य यह था कि उसने अपने बेटों की परीक्षा लेने के लिए संपत्ति तीन हिस्सों में बाँटने की शर्त रखी थी। असली योग्य वही था जो लालच छोड़कर त्याग और भाईचारे का परिचय दे।
2. पंचायत की भूमिका महत्वपूर्ण थी, लेकिन वह इस जटिल मामले को सुलझाने में असफल रही। उन्होंने विचार-विमर्श किया पर निर्णय नहीं ले सके, इसलिए मामला महाराजा के पास भेज दिया।
3. इस कहानी से हमें नैतिक मूल्य मिलते हैं जैसे—निष्पक्षता, त्याग, भाईचारा, लोभ से दूर रहना और सही निर्णय लेना।

पाठ 18 : युद्ध-गीता

1. 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (स), 5. (द)
3. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)
4. 1. (अ), 2. (स), 3. (द), 4. (ब), 5. (द)
5. 1. (अ), 2. (स), 3. (द), 4. (ब), 5. (द)
6. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)
7. 1. (अ), 2. (अ), 3. (द), 4. (द), 5. (अ)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (स), 5. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. रावण की सेना चारों अंगों (हाथी, घोड़े, रथ और पैदल) से सजी हुई थी।
2. धूल उड़ने से सूर्य छिप गया था।
3. रावण ने राम और लक्ष्मण जैसे राजाओं को मारने की बात कही।
4. वानर श्रीराम का नाम लेकर युद्ध के लिए दौड़े।
5. धर्मयुद्ध रथ रखने वाला वीर किसी भी शत्रु को जीत सकता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. रावण की सेना बहुत विशाल, सुसज्जित और चारों अंगों से युक्त थी। उसमें विभिन्न प्रकार के वाहन, रथ, ध्वज और योद्धा थे।

2. वानर और भालुओं की तुलना मृत्यु, पर्वत और प्रलयकालीन बादलों से की गई है, जिससे उनकी भयंकरता और शक्ति का वर्णन होता है।
3. विभीषण इसलिए व्याकुल हो गए क्योंकि उन्होंने देखा कि रावण रथ पर सवार है और श्रीराम बिना रथ के युद्ध कर रहे हैं।
4. श्रीराम के अनुसार सच्चा रथ वह है जिसमें धर्म, साहस, धैर्य, सत्य और आत्मबल जैसे गुण हों।
5. सच्ची विजय बाहरी अस्त्र-शस्त्रों से नहीं बल्कि सद्‌गुणों, धर्म और आत्मबल से प्राप्त होती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. युद्ध आरंभ होने से पहले का वातावरण बहुत भयावह और उत्साहपूर्ण था। सेना की गर्जना, ढोल-नगाड़ों की आवाज, धूल और चारों ओर फैली हलचल से वातावरण प्रलय जैसा प्रतीत हो रहा था।
2. वानर और भालुओं की युद्ध-तैयारी अत्यंत जोशपूर्ण थी। वे नाखून, दाँत, पत्थर और वृक्षों को हथियार बनाकर निर्भीकता से युद्ध में कूद पड़े और श्रीराम का जयघोष करते रहे।
3. विभीषण को शंका थी कि बिना रथ और हथियारों के श्रीराम कैसे विजय प्राप्त करेंगे। श्रीराम ने समझाया कि सच्चा रथ बाहरी नहीं, बल्कि धर्म, साहस और सद्‌गुणों से बनता है—यही विजय दिलाता है।
4. 'धर्मयुक्त रथ' का अर्थ है ऐसा रथ जिसमें सत्य, साहस, धैर्य, आत्मसंयम, करुणा और विवेक जैसे गुण हों। यही वास्तविक शक्ति है।
5. इस गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन में सफलता और विजय बाहरी साधनों से नहीं बल्कि अच्छे गुणों, नैतिकता, साहस और आत्मबल से मिलती है।

पाठ 19 : बहादुर बेटा

1. 1. (स), 2. (ब), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब)
2. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (द)
3. 1. (अ), 2. (स), 3. (द), 4. (अ), 5. (अ)
4. 1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (अ), 5. (स)
5. 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द)
6. 1. (द), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ)
7. 1. (द), 2. (स), 3. (अ), 4. (स), 5. (अ)
8. 1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
9. 1. (अ), 2. (द), 3. (अ), 4. (द), 5. (द)
10. 1. (स), 2. (ब), 3. (द), 4. (स), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मोहन रो रहा था क्योंकि पुलिस चाचा ने उसे मारा था।
2. मोहन यह जानना चाहता था कि उसे क्यों मारा गया।
3. मोहन फाटक के बाहर इसलिए बैठा था क्योंकि वह सत्याग्रह कर रहा था।
4. प्रभात फेरी में बच्चे देशभक्ति के गीत गाते हुए निकले थे।
5. अंत में थानेदार (शेरसिंह) ने मोहन से अपनी गलती स्वीकार की और माफी माँगी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मोहन के व्यवहार से उसके चरित्र की साहस, सत्यनिष्ठा और अहिंसा की विशेषताएँ प्रकट होती हैं।
2. पड़ोसियों का मोहन के प्रति व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण और समर्थन वाला था।
3. मोहन की माँ और चाची उसे समझाने का प्रयास करती हैं कि वह सत्याग्रह छोड़ दे और घर आ जाए।
4. गांधी जयंती का इस कहानी में महत्व यह है कि इसी दिन मोहन ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया।
5. शेरसिंह का व्यवहार शुरू में कठोर और अन्यायपूर्ण था, पर अंत में वह पश्चाताप करके विनम्र और न्यायप्रिय बन जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कहानी एक बालक मोहन के सत्याग्रह पर आधारित है। पुलिस द्वारा अन्याय होने पर वह गांधीजी के सिद्धांतों–सत्य और अहिंसा–का पालन करते हुए विरोध करता है। अंत में पुलिस अधिकारी अपनी गलती स्वीकार कर लेता है।
2. मोहन ने अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से सत्याग्रह किया। वह फाटक के बाहर बैठ गया और बिना हिंसा के अपनी बात पर अड़ा रहा, जिससे अंततः सबको अपनी गलती समझ में आई।
3. कहानी में सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांत स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। मोहन ने बिना हिंसा के अपने अधिकार के लिए संघर्ष किया और अंत में सत्य की जीत हुई।

पाठ 20 : नन्हा सत्याग्रही

1. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)
2. 1. (ब), 2. (अ), 3. (अ), 4. (स), 5. (द)
4. 1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)
5. 1. (ब), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)
6. 1. (स), 2. (अ), 3. (ब), 4. (द), 5. (अ)
7. 1. (अ), 2. (स), 3. (स), 4. (ब), 5. (स)

8. 1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)

9. 1. (स), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (अ)

10. 1. (अ), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (ब)

11. 1. (स), 2. (अ), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब)

12. 1. (ब), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मोहन रो रहा था क्योंकि पुलिस चाचा ने उसे मारा था।
2. मोहन यह जानना चाहता था कि उसे क्यों मारा गया।
3. मोहन फाटक के बाहर इसलिए बैठा था क्योंकि वह सत्याग्रह कर रहा था।
4. प्रभात फेरी में बच्चे देशभक्ति के गीत गाते हुए निकले थे।
5. अंत में थानेदार (शेरसिंह) ने मोहन से अपनी गलती स्वीकार की और माफी माँगी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. मोहन के व्यवहार से उसके चरित्र की साहस, सत्यनिष्ठा और अहिंसा की विशेषताएँ प्रकट होती हैं।
2. पड़ोसियों का मोहन के प्रति व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण और समर्थन वाला था।
3. मोहन की माँ और चाची उसे समझाने का प्रयास करती हैं कि वह सत्याग्रह छोड़ दे और घर आ जाए।
4. गांधी जयंती का इस कहानी में महत्व यह है कि इसी दिन मोहन ने सत्य और अहिंसा का मार्ग अपनाया।
5. शेरसिंह का व्यवहार शुरू में कठोर और अन्यायपूर्ण था, पर अंत में वह पश्चाताप करके विनम्र और न्यायप्रिय बन जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कहानी एक बालक मोहन के सत्याग्रह पर आधारित है। पुलिस द्वारा अन्याय होने पर वह गांधीजी के सिद्धांतों—सत्य और अहिंसा—का पालन करते हुए विरोध करता है। अंत में पुलिस अधिकारी अपनी गलती स्वीकार कर लेता है।
2. मोहन ने अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से सत्याग्रह किया। वह फाटक के बाहर बैठ गया और बिना हिंसा के अपनी बात पर अड़ा रहा, जिससे अंततः सबको अपनी गलती समझ में आई।
3. कहानी में सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांत स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। मोहन ने बिना हिंसा के अपने अधिकार के लिए संघर्ष किया और अंत में सत्य की जीत हुई।

पाठ 21 : सालिम अली

1. 1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (स)
2. 1. (द), 2. (स), 3. (अ), 4. (ब), 5. (स)
3. 1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (अ), 5. (स)
4. 1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (स), 5. (अ)
5. 1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (द), 5. (ब)
6. 1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (स), 5. (द)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सलीम अली का जन्म 12 नवम्बर 1896 को हुआ था।
2. बालक का परिचय डब्ल्यू. एस. मिलार्ड से कराया गया।
3. बया पक्षी को वर्षा ऋतु में पहचाना जा सकता है।
4. सलीम अली को जे. पॉल गेटी (या जॉन फिलिप्स) अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार/वाइल्डलाइफ संरक्षण पुरस्कार मिला।
5. सलीम अली की मृत्यु 1987 में हुई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बालक सलीम अली बहुत जिज्ञासु थे। घायल चिड़िया को देखकर वे उसके बारे में जानना चाहते थे। वे पक्षियों की पहचान और उनके बारे में सीखने के लिए उत्सुक रहते थे।
2. मिलार्ड सलीम अली की जिज्ञासा और पक्षियों के प्रति रुचि देखकर प्रभावित हुए। इतनी छोटी उम्र में उनका ज्ञान पाने का उत्साह देखकर वे आश्चर्यचकित थे।
3. मिलार्ड से मिलने के बाद सलीम अली को पक्षियों के बारे में सही जानकारी मिली। इससे उनका रुचि और बढ़ी और वे आगे चलकर महान पक्षी वैज्ञानिक बने।
4. वे स्वयं निरीक्षण और परीक्षण पर विश्वास करते थे। किसी बात को बिना प्रमाण के नहीं मानते थे। वे तथ्यों और प्रयोगों के आधार पर निष्कर्ष निकालते थे।
5. इस पुस्तक में पक्षियों का सरल, रोचक और चित्रों सहित वर्णन है, जिससे सामान्य व्यक्ति भी आसानी से पक्षियों को पहचान सकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. सलीम अली महान पक्षी वैज्ञानिक थे। बचपन से ही उन्हें पक्षियों में रुचि थी। मिलार्ड से प्रेरित होकर उन्होंने पक्षियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने अनेक शोध किए और प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं। उन्हें कई पुरस्कार मिले और वे विश्वविख्यात हुए।

2. सलीम अली ने पक्षियों के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने लोगों में जागरूकता फैलाई और पक्षियों के महत्व को समझाया। उनके प्रयासों से कई प्रजातियाँ संरक्षित हुई।
3. क्योंकि वे प्रयोग, निरीक्षण और प्रमाण पर विश्वास करते थे। वे किसी बात को बिना जांचे स्वीकार नहीं करते थे।
4. यह पुस्तक पक्षियों पर विस्तृत जानकारी देती है। इसमें उनके जीवन, आदतों और पहचान का पूरा विवरण है, जो शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है।

पाठ 22 : गीता का मर्म

1. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)
2. 1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (अ), 5. (स)
3. 1. (ब), 2. (द), 3. (स), 4. (अ), 5. (ब)
4. 1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (स), 5. (अ)
5. 1. (स), 2. (द), 3. (ब), 4. (द), 5. (अ)
6. 1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (स), 5. (स)
7. 1. (स), 2. (द), 3. (अ), 4. (ब), 5. (ब)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (स)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. क्योंकि वे गीता के सच्चे ज्ञान को समझ चुके थे और लोभ-लालच से दूर रहना चाहते थे।
2. क्योंकि उसे गीता का वास्तविक ज्ञान नहीं मिला था, इसलिए वह संतुष्ट नहीं था और उसका व्यवहार बदल गया।
3. अर्जुन का उद्देश्य न्याय की रक्षा और दुष्टों का नाश करना था।
4. अर्जुन का प्रसंग सुनकर राजा के विचार बदल गए और उसमें वैराग्य उत्पन्न हो गया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राजा ने उन्हें कहा कि आप व्यर्थ कष्ट कर रहे हैं, कई विद्वान पहले भी असफल हो चुके हैं, इसलिए वे भी प्रयास न करें।
2. क्योंकि उन्होंने केवल शब्दों का ज्ञान लिया, उसे अपने जीवन में नहीं उतारा।
3. उन्होंने श्लोकों की व्याख्या की, उदाहरण दिए और विस्तार से समझाया।
4. विद्या का उद्देश्य आत्मज्ञान प्राप्त करना और जीवन में अच्छे आचरण लाना है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. गीता का मर्म है—निष्काम कर्म करना, यानी बिना फल की इच्छा के अपना कर्तव्य करना।

उदाहरण : जैसे– अर्जुन ने युद्ध धर्म की रक्षा के लिए किया, न कि व्यक्तिगत लाभ के लिए।

2. राजा प्रारंभ में गीता को समझना चाहता था, परंतु लोभ और अहंकार के कारण समझ नहीं पाया।

   पंडित गोवर्ण ने गीता को सही रूप में समझा और लोभ त्याग दिया। अंत में दोनों को सच्चे ज्ञान का बोध हुआ और उनके विचार बदल गए।

पाठ 23 : महान विभूति : दानवीर डॉ. सर हरिसिंह गौर

1. 1. (ब), 2. (अ), 3. (अ), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (अ), 2. (ब), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)
3. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (ब)
4. 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द)
5. 1. (द), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

1. 1. (ब), 2. (अ), 3. (अ), 4. (स), 5. (स)
2. 1. (अ), 2. (ब), 3. (ब), 4. (द), 5. (ब)
3. 1. (ब), 2. (स), 3. (स), 4. (द), 5. (ब)
4. 1. (अ), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (द)
5. 1. (द), 2. (ब), 3. (अ), 4. (स), 5. (स)
6. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (अ), 2. (ब), 3. (ब), 4. (स), 5. ब

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उनकी पत्नी का नाम ओलिविया था।
2. 'सर' की उपाधि 1925 ई. में मिली।
3. उन्होंने लगभग 40 वर्षों तक वकालत की।
4. वे बुन्देली भाषा में बातचीत करना पसंद करते थे।
5. सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय 2008 ई. में घोषित किया गया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. उनका बाल्यकाल कठिनाइयों और अभावों में बीता, पर उन्होंने परिश्रम से शिक्षा प्राप्त की।
2. वे तर्कशक्ति, ज्ञान और प्रभावशाली वक्तत्व के कारण कुशल अधिवक्ता माने जाते थे।
3. भारतीय संविधान सभा में उन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव से महत्वपूर्ण योगदान दिया।
4. उनकी साहित्यिक रचनाएँ सामाजिक, शैक्षिक और कानूनी विषयों से संबंधित थीं।
5. सागर विश्वविद्यालय की स्थापना में उन्होंने अपनी संपत्ति दान देकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. डॉ हरिसिंह गौर ने शिक्षा और विधि क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सागर विश्वविद्यालय की स्थापना की, शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य किया तथा कानून और समाज सुधार में योगदान दिया।
2. उनके व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताएँ थीं—विद्वत्ता, परिश्रम, उदारता, दूरदर्शिता, समाज सेवा और दानशीलता।
3. उन्हें 'महान विभूति' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपना जीवन शिक्षा, समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया और महान कार्य किए।

पाठ 24 : महर्षि परशुराम

1. 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (स)
2. 1. (स), 2. (अ), 3. (द), 4. (द), 5. (ब)
3. 1. (द), 2. (स), 3. (ब), 4. (अ), 5. (अ)
4. 1. (अ), 2. (ब), 3. (द), 4. (स), 5. (अ)
5. 1. (द), 2. (अ), 3. (स), 4. (ब), 5. (अ)
6. 1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (स), 5. (अ)
7. 1. (अ), 2. (स), 3. (द), 4. (स), 5. (ब)

एटग्रेड प्रश्नोत्तर

बहुविकल्पीय

1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महर्षि परशुराम की माता का नाम रेणुका था।
2. उनका जन्म वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) को हुआ था।
3. 'भार्गव परशुराम' नाम इसलिए पड़ा क्योंकि वे भृगु (भार्गव) वंश के थे।
4. परशुराम द्वारा निर्मित कूप को परशुराम कूप कहा जाता है।

5. महर्षि परशुराम को ग्रंथों में भगवान विष्णु के अवतार के रूप में जाना जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महर्षि परशुराम के प्रमुख गुण थे—पराक्रम, साहस, तपस्या, सत्यनिष्ठा और धर्मपालन।
2. शस्त्र और शास्त्र के संतुलित प्रयोग का मतलब है—ज्ञान (शास्त्र) और शक्ति (शस्त्र) दोनों का सही उपयोग करना।
3. महर्षि परशुराम ने समाज में अन्याय का विरोध किया और धर्म की रक्षा के लिए कार्य किए।
4. केरल प्रदेश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि परशुराम से माना जाता है (उन्होंने समुद्र से भूमि प्राप्त की)।
5. उनकी शिक्षा संबंधी दृष्टि यह थी कि शिक्षा के साथ नैतिकता और आचरण भी जरूरी हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. महर्षि परशुराम को महापुरुष इसलिए माना जाता है क्योंकि वे पराक्रमी, तपस्वी और धर्म के रक्षक थे। उन्होंने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया और समाज में धर्म की स्थापना की।
2. उनके जीवन से हमें सत्य, साहस, अनुशासन और धर्मपालन की शिक्षा मिलती है।
3. रामायण के अनुसार, भगवान राम और परशुराम का प्रसंग प्रसिद्ध है, जहाँ उनके बीच संवाद हुआ और परशुराम ने राम की शक्ति को स्वीकार किया।
4. वे शस्त्र और शास्त्र दोनों में निपुण थे, इसलिए उन्हें संतुलित शक्ति का प्रतीक माना जाता है।
5. महर्षि परशुराम ने राष्ट्र, समाज और संस्कृति की रक्षा तथा उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

व्याकरण-8

पाठ 1 : संज्ञा

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) बचपन
2. (स) व्यक्तिवाचक
3. (द) समूहवाचक
4. (स) द्रव्यवाचक
5. (ख) विशेषण से
6. (स) हिमालय
7. (अ) खेलना
8. (स) समूह

रिक्त स्थान भरिए–

1. द्रव्यवाचक
2. भाववाचक
3. व्यक्तिवाचक
4. जातिवाचक
5. क्रिया

अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. संज्ञा वह शब्द है जिससे व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण या भाव का बोध हो।
2. संज्ञा के पाँच भेद होते हैं–

   व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, भाववाचक, समूहवाचक, द्रव्यवाचक
3. उदाहरण: राम
4. जो शब्द किसी जाति या वर्ग के सभी व्यक्तियों/वस्तुओं का बोध कराएँ, वे जातिवाचक संज्ञा हैं।
5. भाववाचक संज्ञा गुण, भाव या अवस्था का बोध कराती है।
6. उदाहरण: सेना/झुंड

लघु उत्तरीय प्रश्न–

7. द्रव्यवाचक संज्ञा वे हैं जिनसे नाप–तौल वाली वस्तुओं का बोध हो (जैसे–पानी, दूध)।
8. 'बचपन' भाववाचक संज्ञा है।
9. सेवक → सेवा
10. 'गुरुजी' शब्द यहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त है (किसी विशेष व्यक्ति के लिए)।

पाठ 2 : लिंग

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) लिंग	2. (ब) दो	3. (स) पहाड़
4. (ब) 'इया' जोड़कर	5. (ब) घोड़ी	6. (स) भगवती
7. (स) उल्लू	8. (अ) गेहूँ	

रिक्त स्थान भरिए–

1. पहचान/चिह्न	2. स्त्रीलिंग	3. शिक्षिका
4. स्त्रीलिंग	5. स्त्रीलिंग	

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. लिंग वह रूप है जिससे पता चलता है कि शब्द पुरुष जाति का है या स्त्री जाति का।
2. लिंग के दो भेद होते हैं–पुल्लिंग और स्त्रीलिंग

3. उदाहरण (पुल्लिंग) : लड़का

4. उदाहरण (स्त्रीलिंग) : लड़की

5. निर्जीव पुल्लिंग उदाहरण : पहाड़/पत्थर

6. 'नर' जोड़कर : नर चिड़िया/नर कोयल

7. 'मादा' जोड़कर : मादा उल्लू/मादा शेर

8. 'मोर' का स्त्रीलिंग : मोरनी

9. 'लेखक' का स्त्रीलिंग : लेखिका

10. 'पानी' शब्द : पुल्लिंग

पाठ 3 : वचन

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) संख्या
2. (स) बच्चा
3. (स) लड़कियाँ
4. (ब) समाचार
5. (स) जन शब्द जोड़कर

रिक्त स्थान भरिए–

1. वचन
2. दो
3. एकवचन
4. लड़के
5. रोटियाँ

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. वचन वह रूप है जिससे संख्या का बोध हो।

2. वचन के दो भेद होते हैं–एकवचन और बहुवचन

3. एकवचन उदाहरण : लड़का

4. बहुवचन उदाहरण : लड़के

5. 'बच्चा' का बहुवचन : बच्चे

6. 'नदी' का बहुवचन : नदियाँ

7. सदैव एकवचन शब्द : पानी

8. सदैव बहुवचन शब्द : समाचार

9. 'लेखक' → लेखकगण/लेखकजन

10. 'गुरु-गुरुजन' → एकवचन से बहुवचन

पाठ 4 : कारक

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) क्रिया
2. (ब) कर्ता
3. (ब) करण
4. (स) सम्बन्ध
5. (स) सम्बोधन

रिक्त स्थान भरिए–

1. कारक
2. आठ
3. कर्म
4. अधिकरण
5. सम्बोधन

अति-लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. कारक की परिभाषा–जिस रूप से संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया से संबंध प्रकट होता है, उसे कारक कहते हैं।
2. कर्ता कारक का उदाहरण–राम ने खाना खाया।
3. 'छात्र को बुलाया' में कर्म शब्द : छात्र
4. अलगाव या दूरी का बोध कराता है।
5. जब किसी को पुकारा या संबोधित किया जाता है।

पाठ 5: सर्वनाम

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स) सर्वनाम
2. (स) उत्तम पुरुष
3. (ब) सम्बन्धवाचक
4. (स) प्रश्नवाचक
5. (स) मध्यम व अन्य

रिक्त स्थान भरिए–

1. सर्वनाम
2. उत्तम पुरुष
3. निश्चयवाचक
4. प्रश्नवाचक
5. लिंग

अति-लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
2. उत्तम पुरुष।
3. सम्बन्धवाचक सर्वनाम।
4. नहीं, सर्वनामों में लिंग के कारण परिवर्तन नहीं होता।
5. जो सर्वनाम बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति का बोध कराते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।
6. जो सर्वनाम स्वयं के लिए प्रयोग होता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

   उदाहरण: मैं अपना काम स्वयं करूँगा।

7. **निश्चयवाचक सर्वनाम** → निश्चित व्यक्ति/वस्तु का बोध कराते हैं।

   उदाहरण: यह, वह।

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम → अनिश्चित व्यक्ति/वस्तु का बोध कराते हैं।

   उदाहरण: कोई, कुछ।

पाठ 6 : विशेषण

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) गुणवाचक
2. (ब) क्रमवाचक
3. (स) परिमाणवाचक
4. (स) सार्वनामिक विशेषण
5. (स) उत्तमावस्था

रिक्त स्थान भरिए–

1. विशेषण
2. परिमाणवाचक
3. संख्यावाचक
4. गुणवाचक
5. उत्तमावस्था

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
2. सुंदर, ईमानदार।
3. निश्चित संख्यावाचक, अनिश्चित संख्यावाचक।
4. जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।

   उदाहरण: राम बहुत बुद्धिमान है। (यहाँ ''बहुत'' प्रविशेषण है।)
5. उत्तारावस्था (Comparative Degree)

   दो व्यक्तियों/वस्तुओं की तुलना होती है।

   उदाहरण: राम मोहन से अधिक तेज है।

   उत्तमावस्था (Superlative Degree)

   दो से अधिक में सबसे अधिक गुण बताया जाता है।

   उदाहरण: राम सबसे तेज है।

पाठ 7 : क्रिया

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) सकर्मक
2. (क) मूल
3. (क) सकर्मक
4. (ख) लिंग, वचन, पुरुष
5. (क) मूल

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. धातु
2. अकर्मक
3. संयुक्त
4. नामधातु
5. एकवचन और बहुवचन

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध हो, उसे क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं।
3. **सकर्मक क्रिया:** जिसका प्रभाव कर्म पर पड़े।

   उदाहरण: राम किताब पढ़ता है।

   अकर्मक क्रिया: जिसका प्रभाव केवल कर्ता पर पड़े।

   उदाहरण: बच्चा हँसता है।
4. जो क्रिया किसी अन्य शब्द पर निर्भर नहीं होती, उसे मूल क्रिया कहते हैं।
5. जो क्रिया दो या अधिक शब्दों से मिलकर बने, उसे योगिक क्रिया कहते हैं।
6. वह खाना खा रहा है।
7. जो क्रिया संज्ञा/विशेषण से बनती है, उसे नामधातु क्रिया कहते हैं।
8. जब कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे से कार्य कराए।
9. क्योंकि यह मुख्य क्रिया से पहले तुरंत होने वाले कार्य को दर्शाती है।

पाठ 8 : अविकारी शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) अविकारी
2. (स) क्रियाविशेषण
3. (क) क्रियाविशेषण
4. (अ) समुच्चयबोधक
5. (द) विस्मयादिबोधक

रिक्त स्थान भरिए–

1. अविकारी
2. क्रियाविशेषण
3. क्रिया प्रविशेषण
4. संबंधबोधक
5. संकेतदर्शक

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।
2. अविकारी शब्दों के चार भेद–
   1. क्रियाविशेषण
   2. संबंधबोधक

3. समुच्चयबोधक

4. विस्मयादिबोधक

3. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।

4. आज, कल, अभी।

5. जो शब्द संज्ञा/सर्वनाम और अन्य शब्दों के बीच संबंध बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं।

6. विरोधदर्शक

7. जो शब्द हर्ष, शोक, आश्चर्य आदि भाव प्रकट करें, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं।

पाठ 9 : पर्यायवाची शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) नीर 2. (ग) अहंकार 3. (ख) सच

4. (क) सर्वत्र 5. (ग) श्रम

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. पर्यायवाची शब्द 2. पर्यायवाची शब्द 3. दो

4. समान अर्थ 5. शब्द

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जो शब्द अर्थ की दृष्टि से समान होते हैं, उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

2. अँधेरा, तम।

3. ज्ञान का अर्थ है जानकारी/बुद्धि, जबकि अज्ञान का अर्थ है जानकारी का अभाव।

4. सच, सत्यता।

5. इससे भाषा प्रभावशाली, सुंदर और विविध बनती है।

पाठ 10 : विलोम शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) असत्य 2. (स) पतन 3. (स) दिन/रात

4. (ब) अक्षम 5. (स) विनाश

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. दु:ख 2. गरीब 3. बेईमान

4. अवनति 5. दुर्गम

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जिन शब्दों के अर्थ एक–दूसरे के विपरीत होते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।
2. विलोम शब्द।
3. योग्य – अयोग्य
4. इससे भाषा स्पष्ट, प्रभावशाली और अर्थपूर्ण बनती है।
5. (अ) सत्य – असत्य

   (ब) मित्र – शत्रु

   (स) उजाला – अंधेरा

   (द) कठोर – कोमल।

पाठ 11 : समास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) जोड़ना
2. (अ) कर्म तत्पुरुष
3. (स) बहुव्रीहि
4. (स) और
5. (ब) बहुव्रीहि

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने शब्द को समास कहते हैं।
2. तत्पुरुष समास में द्वितीय (दूसरा) पद प्रधान होता है।
3. 'चार भुजाएँ हैं जिसकी' – यह बहुव्रीहि समास का उदाहरण है।
4. द्वंद्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं।
5. अव्ययीभाव समास में समस्त पद भी अव्यय होता है।

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बना हुआ संक्षिप्त शब्द समास कहलाता है।
2. कर्म तत्पुरुष, करण तत्पुरुष
3. जिसमें एक पद विशेषण और दूसरा विशेष्य होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।
4. (1) नौ रात्रियों का समूह

   (2) द्विगु समास
5. इसमें पहला पद संख्यावाचक होता है और समूह का बोध कराता है।

6. गिरि को धारण करने वाला

   बहुव्रीहि समास

7. माता-पिता, दिन-रात

8. इसमें पूरा समस्त पद अव्यय बन जाता है।

पाठ 12 : सन्धि

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) संधि
2. (स) स्वर संधि
3. (ब) व्यंजन संधि
4. (स) विसर्ग संधि
5. (ब) तीन

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. दो स्वरों के मेल को स्वर संधि कहते हैं।
2. व्यंजन से स्वर या व्यंजन के मेल से होने वाली संधि व्यंजन संधि कहलाती है।
3. विसर्ग के आगे स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग संधि होती है।
4. 'अ. इ' के मेल से गुण स्वर संधि में ए बनता है।
5. संधि शब्दों को अलग-अलग करके लिखने को संधि -विच्छेद कहते हैं।

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. दो वर्णों के मिलने पर होने वाले परिवर्तन को संधि कहते हैं।

2. स्वर संधि

   व्यंजन संधि

   विसर्ग संधि

3. नर+इन्द्र = नरेन्द्र

4. जब विसर्ग (:) के बाद आने वाले वर्ण के कारण परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

5. विद्या+आलय।

पाठ 13 : अनेकार्थी शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) जिनके प्रयोग से अलग-अलग अर्थ निकलें

2. (द) शत्रु

3. (ब) कपड़ा

4. (द) श्रेष्ठ

5. (ब) आँख

रिक्त स्थान पूर्ति–

1. जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हों, उन्हें अनेकाअर्थी शब्द कहते हैं।

2. 'अमृत' का एक अर्थ देव–पेय/अमरता देने वाला द्रव्य भी होता है।

3. 'अम्बर' शब्द का अर्थ आकाश भी होता है।

4. 'अंक' शब्द का एक अर्थ संख्या/गोद/भाग होता है।

5. 'उत्तर' शब्द का अर्थ उत्तर (जवाब) दिशा भी होता है।

अति लघु एवं लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जिन शब्दों के अनेक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकाअर्थी शब्द कहते हैं।

2. आम = फल

3. मेहमान

   आगन्तुक

   अतिथि (अचानक आने वाला)

   देवतुल्य आगन्तुक

4. आकाश

   वस्त्र (कपड़ा)

   मेघमंडल

5. ताकि हम शब्दों का सही अर्थ समझ सकें और भाषा का सही प्रयोग कर सकें।

पाठ 14 : वाक्यांश के लिए एक शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) अमर

2. (स) परोपकारी

3. (ब) नास्तिक

4. (स) अनुशासित

5. (ब) मितभाषी

6. (अ) सर्वज्ञ

7. (अ) क्षम्य

8. (ब) पराधीन

रिक्त स्थान भरिए–

1. जो दिखाई न दे, उसे **अदृश्य** कहते हैं।

2. जो सब कुछ जानता हो, वह **सर्वज्ञ** कहलाता है।

3. जो देश से प्रेम करता हो, वह **देशभक्त** होता है।

4. जो बिना बुलाए आए, उसे **अतिथि** कहते हैं।

5. जो बचत करता हो, वह **मितव्ययी** कहलाता है।

सही मिलान कीजिए–

वाक्यांश	एक शब्द
1. जो डर से रहित हो	(ग) निर्भीक
2. जो ईश्वर को न माने	(क) नास्तिक
3. जो दूसरों का भला करे	(ख) परोपकारी
4. जो पढ़ा-लिखा हो	(घ) शिक्षित
5. जो बहुत बोलता हो	(ङ) वाचाल

पाठ 15 : युग्म शब्द

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (द) आग-हवा

2. (द) कमल-मोती

3. (द) अंतिम-खाल

4. (स) और-ओर

5. (अ) विष्णु-महादेव

रिक्त स्थान भरिए–

1. मोहन का वदन दुख रहा है।

2. अरे जरा यहाँ तो आ।

3. पानी की बहुत कमी है।

4. रमेश की बहू बड़ी सुन्दर है।

5. पुष्प पर अलि मँडरा रहे हैं।

सही मिलान कीजिए–

शब्द	अर्थ
1. शूर	(ग) तीर
2. सूत	(घ) धागा
3. वात	(ङ) वायु
4. शंकर	(ख) महादेव
5. आवृत	(क) ढका हुआ

पाठ 16 : उपसर्ग

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (स) अधिक/ऊपर
2. (अ) सु
3. (स) छोटा/निकटता
4. (स) गैर
5. (ब) विरुद्ध/सामने/हरएक

रिक्त स्थान भरिए–

1. 'सुगंधा' शब्द में सु उपसर्ग है।
2. 'निर्धन' शब्द में निर् उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है।
3. 'अपमान' शब्द में अप उपसर्ग है।
4. 'खुशहाल' शब्द में खुश उपसर्ग है।
5. 'परिवर्तन' शब्द में परि उपसर्ग है।

अति लघु व लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जो शब्दांश शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन करते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
2. प्रारम्भ।

   प्रवेश।
3. बिना / अभाव।
4. अत्यधिक – बहुत ज्यादा।
5. यह एक गैरकानूनी कार्य है।

पाठ 17 : प्रत्यय

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) आकू
2. (ब) तद्धित
3. (ब) हट
4. (स) गार
5. (ब) इस्त

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अक
2. आकू
3. पन
4. खोर
5. सामाजिक

अतिलघु व लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. जो शब्दांश शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर दें, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।
2. (1) कृत प्रत्यय।
   (2) तद्धित प्रत्यय।
3. जो प्रत्यय धातु (क्रिया) के अंत में जुड़ते हैं, उन्हें कृत प्रत्यय कहते हैं।
4. जैसे: लड़का . पन = लड़कापन।
5. लिखावट।

पाठ 18 : वाक्य विचार एवं वाक्य शुद्धि

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) सार्थक शब्दों का समूह जो पूरा अर्थ दे
2. (ब) दो
3. (स) साधारण
4. (स) क्रियाविशेषण उपवाक्य

रिक्त स्थान भरिए–

1. वाक्य
2. विधेय
3. साधारण
4. क्रियाविशेषण

अति लघु व लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. सार्थक शब्दों का ऐसा समूह जो पूरा अर्थ दे, वाक्य कहलाता है।
2. (1) उद्देश्य

(2) विधेय

3. जिसमें कर्ता (कार्य करने वाला) मुख्य होता है, उसे कर्तृवाच्य प्रधान वाक्य कहते हैं।

4. जब वह आया, तब मैं घर पर था।

5. सही अर्थ और स्पष्ट अभिव्यक्ति के लिए वाक्य-शुद्धि आवश्यक है।

पाठ 19 : विराम-चिह्न

रिक्त स्थान भरिए–

1. ?
2. पूर्ण विराम (।)
3. योजक (-)
4. अल्पविराम (,)
5. लोप (.........) त्रुटि-सूचक चिह्न

लघु व लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. वाक्य में थोड़े समय के लिए रुकने के लिए जिस चिह्न (,) का प्रयोग होता है, उसे अल्प विराम कहते हैं।
2. वाक्य के अंत में पूर्ण विचार समाप्त होने पर पूर्ण विराम (।) लगाया जाता है।
3. उसने कहा, "सत्य ही ईश्वर है।"
4. दो शब्दों को जोड़ने के लिए जैसे-राम-लक्ष्मण।
5. किसी विशेष बात या दिशा बताने के लिए (:) का प्रयोग किया जाता है।

पाठ 20 : मुहावरे

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) बहुत प्यारा व्यक्ति
2. (स) घबरा जाना
3. (स) भाग जाना
4. (ब) बुरी तरह हराना
5. (स) पछताना

रिक्त स्थान भरिए–

1. हाथ-पाँव
2. नौ दो ग्यारह

3. हाथ मलने लगा

4. गँवा

5. कफन

अति लघु व लघु उत्तरीय प्रश्न–

1. बहुत प्रिय व्यक्ति

2. जब कोई व्यक्ति अपराध करते हुए पकड़ा जाए

3. बहुत शोर-शराबा करना

4. प्रेम/प्रसन्नता उत्पन्न करना

5. अपमान होना

पाठ 21 : कहावतें (लोकोक्तियाँ)

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (स) देर से सही, पर ठीक होना अच्छा है

2. (स) वस्तु कम और चाहने वाले अधिक होना

3. (ब) प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं

लोकोक्तियों के अर्थ सहित वाक्य प्रयोग–

1. बूँद-बूँद से सागर भरता है।

अर्थ : थोड़ी-थोड़ी बचत से बड़ी मात्रा बनती है।

वाक्य : हमें रोज थोड़ा-थोड़ा बचत करनी चाहिए क्योंकि बूँद-बूँद से सागर भरता है।

2. खाली बर्तन ज्यादा बजते हैं।

अर्थ : कम ज्ञान वाले अधिक दिखावा करते हैं।

वाक्य : वह बहुत बोलता है पर जानता कम है, सच ही है–खाली बर्तन ज्यादा बजते हैं।

3. एक हाथ से ताली नहीं बजती।

अर्थ : झगड़े में दोनों पक्षों की गलती होती है।

वाक्य : दोनों की बहस में गलती थी, एक हाथ से ताली नहीं बजती।

4. जैसा बोओगे वैसा काटोगे।

अर्थ : जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा।

वाक्य : मेहनत करो, क्योंकि जैसा बोओगे वैसा काटोगे।

5. एकता में बल है।

अर्थ : मिलकर रहने से शक्ति बढ़ती है।

वाक्य : हमें हमेशा साथ रहना चाहिए क्योंकि एकता में बल है।

6. दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है।

अर्थ : एक बार ठोकर खाने वाला सावधान हो जाता है।

वाक्य : धोखा खाने के बाद वह अब बहुत सावधान रहता है—दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है।

7. नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

अर्थ : अपनी कमी का दोष दूसरों पर डालना।

वाक्य : वह खुद गलती करता है और दूसरों को दोष देता है—नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

8. मेहनत का फल मीठा होता है।

अर्थ : मेहनत का परिणाम अच्छा होता है।

वाक्य : उसने खूब मेहनत की और सफल हुआ—मेहनत का फल मीठा होता है।